

मसीही विश्वासी की आशा क्या है?

बाइबल के विषयात्मक प्रश्न

अधिकांश लोग आशा को अभिलाषा की जाने वाली सोच समझ लेते हैं, जैसे "मुझे आशा है कि कुछ घटित होगा।" यह वह बात नहीं है, जिसे बाइबल आशा कहती है। आशा के लिए बाइबल आधारित परिभाषा "आत्मविश्वास से भरी हुए किसी बात की अपेक्षा करना है।" आशा स्पष्ट और अज्ञात वस्तुओं के बारे में एक दृढ़ आश्वासन है (रोमियों 8:24-25; इब्रानियों 11:1, 7)। आशा एक धर्मी व्यक्ति के जीवन का एक मूलभूत घटक है (नीतिवचन 23:17-18)। आशा के बिना, जीवन अपने अर्थ को खो देता है (विलापगीत 3:18; अय्यूब 7:6) और मृत्यु में कोई आशा नहीं पाई जाती है (यशायाह 38:18; अय्यूब 17:15)। जो धर्मी लोग विश्वास करते हैं या परमेश्वर में अपनी आशा को रखते हैं, उनकी सहायता की जाएगी (भजन संहिता 28:7), और वे भ्रमित नहीं किए जाएंगे, उन्हें लज्जित नहीं किया जाएगा या निराश नहीं किए जाएंगे (यशायाह 49: 23)। धर्मी लोग, जिन्हें परमेश्वर में पाई जाने वाली यह विश्वसनीय आशा है, उनके पास परमेश्वर की सुरक्षा और सहायता में एक सामान्य विश्वास होता है (यिर्मयाह 29:11) और वे भय और चिन्ता से मुक्त होते हैं (भजन संहिता 46:2-3)।

आशा के लिए नए नियम के इस विचार की मान्यता यह है कि मसीह में पुराने नियम की प्रतिज्ञाओं की पूर्ति पाई जाती है (मत्ती 12:21; 1 पतरस 1:3)। मसीही विश्वासी की आशा मसीह के ईश्वरीय उद्धार के विश्वास में निहित है

(गलातियों 5:5)। मसीहियों की आशा को पवित्र आत्मा की उपस्थिति के माध्यम से पूरा किया जाता है (रोमियों 8:24-25)। यह मृतकों के पुनरुत्थान की भविष्य की आशा है (प्रेरितों के काम 23: 6), इसाएल को दी गई प्रतिज्ञा (प्रेरितों के काम 26:6-7), देह और सम्पूर्ण सृष्टि के छुटकारे (रोमियों 23:23-25) , अनन्तकालीन महिमा (कुलुस्सियों 1:27), अनन्त जीवन और सन्तों को दी जाने वाली धरोहर (तीतुस 3:5-7), मसीह की वापसी (तीतुस 2:11-14), मसीह की समानता में परिवर्तित होना (1 यूहन्ना 3:2-3), परमेश्वर का उद्धार (1 तीमुथियुस 4:10) या स्वयं मसीह (1 तीमुथियुस 1:1) के मिलने में पाई जाती है।

भविष्य की इस धन्य निश्चितता की गारंटी हमें आत्मा के द्वारा (रोमियों 8:23-25), मसीह में (कुलुस्सियों 1:27) और मसीह के पुनरुत्थान (1 कुरिन्थियों 15:14-22) के माध्यम से दी गई है। दुःख उठाने के माध्यम से धीरज के द्वारा आशा उत्पन्न होती है (रोमियों 5:2-5) और धीरज के पीछे प्रेरणा होती है (1 थिस्सलुनीकियों 1:3; इब्रानियों 6:11)। जो लोग मसीह में आशा रखते हैं, वे मसीह को जीवन और मृत्यु में ऊँचे पर उठते हुए देखेंगे (फिलिप्पियों 1:20)। परमेश्वर की ओर दी गई विश्वासयोग्य प्रतिज्ञाएँ हमें आशा देती हैं (इब्रानियों 6:18-19), और हम इस आशा में घमण्ड कर सकते हैं (इब्रानियों 3:6) और अपने विश्वास में इसे बड़े साहस के द्वारा दिखा सकते हैं (2 कुरिन्थियों 3:12)। इसके विपरीत, जो लोग परमेश्वर के ऊपर अपना भरोसा नहीं रखते, उन्हें आशारहित कहा जाता है (इफिसियों 2:12; 1 थिस्सलुनीकियों 4:13)।

विश्वास और प्रेम के साथ, आशा मसीही विश्वासी जीवन का एक स्थायी गुण है (1 कुरिन्थियों 13:13), और आशा से प्रेम निकल आता है (कुलुस्सियों 1:4-5)। आशा आत्मा की सामर्थ्य के माध्यम से विश्वासियों में आनन्द और शान्ति को उत्पन्न करती है (रोमियों 12:12; 15:13)। पौलुस अनन्तकालीन महिमा की आशा के प्रति स्वयं के प्रेरित होने की बुलाहट के बारे में बताता है (तीतुस 1:1-2)। मसीह की वापसी में विश्वासियों के लिए आशा का होना इस जीवन में स्वयं को शुद्ध रखने पर आधारित है (तीतुस 2:11-14, 1 यूहन्ना 3:3)।

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-hope-Bible.html> | English: <https://www.gotquestions.org/hope-Bible.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org